imma™

Dainik Jagran

Max healthcare

Date: 03-07-2010 | Edition: Delhi | Page: 1 | Source: Bureau | Clip size (cm): W: 20 H: 10

Clip: 1 of 1

जानलेवा भी हो सकते हैं ये नकली जेवर

नई दिल्ली, जागरण संवाददाता : आर्टिफिशियल ज्वेलरी भले ही बहुत आपकी सुंदरता में चार चांद लगाते हों लेकिन यह आपकी जिंदगी को कम भी कर रहे हैं और हो सकता है ये आपको एक धीमी मौत की तरफ ले जा रहे हों। एक एनजीओ ने अध्ययन में पाया कि राजधानी के बड़े-बड़े बाजारों में बिकने वाले 64.8 प्रतिशत से ज्यादा आर्टिफिशियल ज्वेलरी में 90 पीपीएम (पार्ट पर मिलियन) से अधिक लेड (सीसा या रांगा) पाया गया है। यह गर्भवती महिलाओं के लिए बेहद खतरनाक हो सकता है। लेड का खून से संपर्क होने पर बच्चों एवं युवाओं में भी दस प्रतिशत से अधिक स्मरण-शक्ति क्षीण हो जाती है।

गैर-सरकारी संगठन टॉक्सिक लिंक ने अध्ययन में शामिल 54 सैंपल का टेस्ट किया जिसमें से 35 में लेड पाया गया।

आर्टिफिशियल ज्वेलरी चमकाने में लेड का हो रहा है इस्तेमाल

गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए बहुत घातक हो सकता है लेड

अध्ययन में पाया गया कि आर्टिफिशियल ज्वेलरी को बेहतर लुक व चमक देने के लिए लेड का प्रयोग किया जाता है। एनजीओ ने जनपथ, लाजपत नगर, दक्षिण दिल्ली, सदर बाजार, मध्य दिल्ली में से 54 ज्वेलरी शॉप को चुना था। टॉक्सिक लिंक के निदेशक रवि अग्रवाल ने बताया कि सब से ज्यादा लेड अंगूठी (856346.9 पीपीएम) में पाया गया है। जबकि ब्रासलेट में लेड सबसे कम 12.68 पीपीएम पाया गया है। पिंक कलर के ज्वेलरी में यह लेड सबसे ज्यादा पाई गई है। लेड न केवल ज्वेलरी बल्कि रंग व खिलौने आदि में भी मिलाया जाता है।

रवि अग्रवाल का कहना था कि सबसे बड़ी समस्या यह है कि इस बारे में सरकार की तरफ से कोई मानक तय नहीं किए गए हैं। जब इसका इतना बड़ा बाजार है तो इस पर सरकार को मानक बनाना चाहिए।

इस बारे में मैक्स हॉस्पिटल के शिशुरोग विशेषज्ञ डॉ. अरबिंद तनेजा का कहना है कि लेड खून में मिलने से बच्चों में असामान्य लक्षण आ सकते हैं और उनकी याददाश्त पर भी बुरा असर पड़ सकता है। खासकर छोटे बच्चों में इसका व्यापक असर होता है। इसलिए बच्चों को इससे दूर रखने की जरूरत है।